चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 237 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 04 सितम्बर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

शुभकामनाएँ

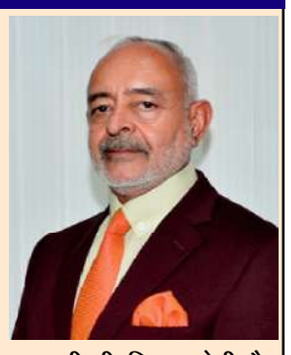

'जन्माष्टमी' के पावन अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समस्त द्वीपवासियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

जन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण के अवतरण का पावन पर्व है। उनका जीवन और शाश्वत शिक्षाएँ समस्त मानवता को ज्ञान, नैतिक साहस और निःस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश आज भी हमें भक्ति एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए, सत्य की रक्षा करने तथा प्रत्येक चुनौती का दृढ़ता एवं साहस पूर्वक सामना करने हेतु हमारा मार्गदर्शन करता है।

यह पावन पर्व हमें स्मरण कराता है कि अंततः धर्म और सत्य की ही विजय होती है। एक सशक्त और समावेशी समाज के निर्माण हेतु एकता, करुणा और सद्भावना ही मूल आधार हैं। आइए, हम अपने द्वीपों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करते हुए, इन महान आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करें।

भगवान श्री कृष्ण की दिव्य कृपा से प्रत्येक घर में उत्तम स्वास्थ्य, सुख–समृद्धि, प्रसन्नता और शांति का वास हो तथा द्वीपों में भाईचारे का बंधन और अधिक सुदृढ़ हो।

(एडमिरल डी. के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं
उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

माननीय सांसद ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत रेफर किए गए मरीज़ों के लिए वित्तीय सहायता एवं सुविधाओं में वृद्धि हेतु प्रशासन का आभार व्यक्त किया

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत रेफर किए गए मरीज़ों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं सुविधाओं में वृद्धि करने हेतु भारत सरकार और अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आज (03.09.2026) सांसद कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान माननीय सांसद ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत रेफर किए गए मरीज़ों को बेहतर सुविधाएं एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने 21 अक्टूबर, 2025 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के समक्ष कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए थे।

राज्य स्वास्थ्य सोसायटी की सामान्य निकाय बैठक में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई चर्चाओं के बाद माननीय सांसद द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार किया गया और रेफरल मामलों से संबंधित मौजूदा दिशा–निर्देशों में संशोधन के लिए उचित निर्णय लिए गए। इसका उद्देश्य आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आने वाले तथा सूचीबद्ध अस्पतालों में रेफर किए गए मरीज़ों के हितों की रक्षा करना है। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के स्वास्थ्य सचिव द्वारा 28.08.2026 को माननीय सांसद को भेजे गए लिखित पत्र में इसकी पुष्टि की गई है।

01 अगस्त 2026 से प्रभावी बढ़ी हुई सुविधाओं एवं दिशा–निर्देशों में किए गए संशोधनों में शामिल हैं:

1. बढ़ी हुई आय सीमा: आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्रता के लिए आय सीमा 3 लाख रूपए से बढ़ाकर 5 लाख रूपए कर दी गई है, जिससे पात्र लाभार्थी 5 लाख रूपए तक का कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकेंगे।
2. हवाई यात्रा की सुविधा: मरीज़ और उनके साथ जाने वाले परिचारक के लिए

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रागति समीक्षा में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस का सभी साइबर अपराध मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने 1 जनवरी से 20 अगस्त, 2026 की अवधि के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रदर्शन मैट्रिक्स के अंतर्गत आकलन किए गए सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। इस प्रदर्शन की समीक्षा भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 52वीं प्रगति समीक्षा बैठक के दौरान की गई।

साइबर अपराध प्रदर्शन मैट्रिक्स के अंतर्गत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रदर्शन का आकलन साइबर अपराध की रोकथाम एवं प्रतिक्रिया, जांच, पीड़ितों की सहायता, अंतर–एजेंसी समन्वय और क्षमता निर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किया जाता है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने आकलन किए गए सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज़ किया, जो द्वीपों में साइबर अपराध से निपटने की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के निरंतर और केंद्रित प्रयासों को दर्शाता है। इस आकलन में राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र (एस4सी), ई–ज़ीरो एफआईआर, शिकायत निवारण मॉड्यूल (जीआरएम), मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल (एमआरएम), सहयोग एवं समन्वय प्लेटफॉर्म, साइबर अपराध हॉटस्पॉट कार्रवाई, साइट्रेन तथा आईईसी गतिविधियों जैसी महत्वपूर्ण पहलों को शामिल किया गया।

इन प्रयासों के तहत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह साइबर अपराध समन्वय केंद्र (एएनआई4सी) की स्थापना कर उसे कार्यान्वित किया गया है, जबकि संघ राज्य क्षेत्र में ई–ज़ीरो एफआईआर व्यवस्था भी सफलतापूर्वक लागू की गई है। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने मामले दर्ज़ करने के लिए पीड़ित–केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में एफआईआर दर्ज़ करने की सीमा 1 लाख रूपए से घटाकर 50,000 रूपए कर दी गई है, जिससे 50,000 रूपए और उससे अधिक की साइबर वित्तीय धोखाधड़ी में एफआईआर दर्ज़ की जा सकेगी। इससे अधिक संख्या में पीड़ितों को समय पर कानूनी एवं जांच संबंधी सहायता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इन उपायों से साइबर अपराध संबंधी शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने तथा संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय में सुधार करने की अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की क्षमता मजबूत हुई है।

शेष पृष्ठ 4 पर

टुगापुर नंबर–7 में 5.91 करोड़ रुपये की लागत से स्टील ब्रिज के निर्माण को प्रशासन की मंजूरी

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने उत्तर व मध्य अण्डमान में मायाबंदर के टुगापुर नंबर–7 में श्री अमूल्य बेपारी के आवास के निकट स्टील ब्रिज के निर्माण के लिए 5,91,78,968 रुपये की अनुमानित लागत से प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की है।

इस पुल का निर्माण क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं की लंबे समय से लंबित मांग रही है। प्रारंभ में, उक्त स्थान पर फुट ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन था। हालांकि, स्थानीय निवासियों द्वारा मोटर योग्य पुल के निर्माण की लगातार मांग को देखते हुए, 14.05.2025 को टुगापुर नंबर–7 में आयोजित सामुदायिक बैठक के दौरान इस मामले को उठाया गया। बैठक में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा अण्डमान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान, आवागमन एवं संपर्क के संबंध में स्थानीय निवासियों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए मोटर योग्य स्टील ब्रिज की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों के अनुरोध तथा स्थानीय आबादी की आवश्यकताओं के आधार पर इस मामले को बाद में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के समक्ष उठाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अत्यंत आवश्यक इस पुल के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई।

प्रस्तावित स्टील ब्रिज से टुगापुर और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के संपर्क में महत्वपूर्ण सुधार होने, वाहनों की आवाजाही सुगम होने तथा मायाबंदर क्षेत्र में ग्रामीण सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने की उम्मीद है। परियोजना को 12 माह की अवधि के भीतर पूरा करने का प्रस्ताव है।

कार्य के प्रमुख घटकों में पहुंच मार्गों का निर्माण, स्टील ब्रिज के घटकों का निर्माण, आपूर्ति एवं स्थापना तथा पुल को पूर्ण रूप से कार्यशील बनाने के लिए आवश्यक अन्य संबंधित सिविल एवं संरचनात्मक कार्य शामिल हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार परियोजना को मंजूरी मिलना टुगापुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही संपर्क संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रशासन द्वारा ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार करने और स्थानीय समुदायों को बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने पर निरंतर दिए जा रहे ध्यान को भी दर्शाता है।

ग्रामीण युवाओं के लिए डीडीयू–जीकेवाई 2.0 के तहत निःशुल्क आवासीय एवं रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पात्र ग्रामीण युवाओं को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) 2.0 के अंतर्गत संचालित निःशुल्क, आवासीय एवं रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक गहन जनजुटाव अभियान शुरू किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को उद्योगोन्मुखी कौशल से सुसज्जित करने तथा उनके रोज़गार की संभावनाओं में सुधार करने के लिए तैयार किया गया है। लागू डीडीयूजीकेवाई 2.0 प्रावधानों के अनुसार, प्रशिक्षण निःशुल्क आवासीय आधार पर प्रदान किया जाता है तथा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 100 प्रतिशत रोज़गार सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

हाल ही में, आयुक्त–सह–सचिव (ग्रामीण विकास/पंचायत), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की अध्यक्षता वाली परियोजना अनुमोदन समिति ने निम्नलिखित रोज़गारोन्मुखी ट्रेडों को शामिल करते हुए कौशल प्रशिक्षण परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की:

क्र. सं.	पीआईए का नाम एवं कार्यालय मुख्यालय का पता	ट्रेड, क्षेत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र का स्थान	एनक्यूआर/एनएसक्यूएफ के अनुसार न्यूनतम योग्यता	पात्रता मानदंड
1.	ऐश्वर्या विज्ञान एजुकेशनल सोसाइटी, नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश	ट्रेडः फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट क्षेत्रः पर्यटन एवं आतिथ्य प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• बिना किसी अनुभव के 10वीं उत्तीर्ण	○ आयु वर्गः 18 से 35 वर्ष (पुरुष) एवं 18 से 45 वर्ष (महिला)। • परिवार का समावेशनः सईसीसी–2011 के अनुसार, डीएवाई–एनआरएलएम एसएचजी/एएवाई/बीपीएल–पीएचएच/मनरेगा (वीबी–ग्रामजी)/पीएमजेएवाई से संबंधित होना चाहिए।
2.		ट्रेडः मल्टी–स्किल टेक्नीशियन (घरेलू उपकरण) क्षेत्रः इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• 3 वर्ष के अनुभव के साथ 8वीं उत्तीर्ण। • 2 वर्ष के अनुभव के साथ 10वीं उत्तीर्ण। • बिना किसी अनुभव के 12वीं उत्तीर्ण।	
3.		ट्रेडः सोलार पीवी इंस्टॉलर – इलेक्ट्रिकल क्षेत्रः हरित रोज़गार प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• बिना किसी अनुभव के 12वीं उत्तीर्ण	
4.	ओरियन एजुकेशनल सोसाइटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	ट्रेडः गेस्ट सर्विस एग्जीक्यूटिव (फ्रंट ऑफिस) क्षेत्रः पर्यटन एवं आतिथ्य प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• 3 वर्ष के अनुभव के साथ 12वीं उत्तीर्ण।	

जनजुटाव एवं पंजीकरणः निदेशालय की जनजुटाव टीमें ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करेंगी और पात्र युवाओं से बातचीत कर डीडीयूजीकेवाई 2.0 के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण के अवसरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करेंगी। इच्छुक उम्मीदवारों को उपलब्ध ट्रेडों, पात्रता आवश्यकताओं और पंजीकरण प्रक्रिया को समझने में सहायता प्रदान की जाएगी।

शेष पृष्ठ 4 पर

मेधावी विद्यार्थी सहित उत्कृष्ट उपब्धियों के लिए अन्य व्यक्ति सम्मानित

मायाबंदर, 3 सितंबर।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष द्वारा कल मायाबंदर के पोकाड़ेरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत दानापुर सामुदायिक भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न विभागों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम के दौरान उत्तर व मध्य अण्डमान के विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कई सरकारी कर्मचारियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पुलिस कर्मियों, अग्निशमन सेवा कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मछुआरों, वन अधिकारियों तथा पंचायती राज प्रतिनिधियों को भी समुदाय के कल्याण के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवाओं एवं समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष श्री आर. अलगरस्वामी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन गुमनाम योगदानकर्ताओं को प्रकाश में लाना, उनके प्रयासों को मान्यता देना तथा अन्य लोगों को भी उसी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ समाज की

सेवा करने के लिए प्रेरित करना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सम्मानित अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एस. कृष्ण चैतन्य ने इस अनूठी पहल की सराहना की और सभी सम्मानित व्यक्तियों को उनकी उपलब्धियों एवं निःस्वार्थ सेवा के लिए बधाई दी। शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में रंग एवं उत्साह भर दिया।

जेएनआरएम ने नशे की लत के प्रति जागरूकता लाई गई

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई–4 द्वारा 3 सितंबर, 2026 को महाविद्यालय के व्याख्यान दीर्घा में "नशे की लत से परे, अपने आंतरिक प्रकाश की ओर" विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम का समन्वय डॉ. तमिल भरथन टी.के., एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, इकाई–4 द्वारा किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

विभिन्न पाठ्यक्रमों की आरक्षित सीटों के आवंटन हेतु काउंसलिंग

श्री विजय पुरम, 3 सितम्बर।

सभी संबंधित उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के छात्रों के लिए मुख्यभूमि के संस्थानों में आरक्षित विभिन्न व्यावसायिक, तकनीकी, गैर–तकनीकी पाठ्यक्रमों के आवंटन एवं नामांकन के लिए आवेदन किया है, कि बीडीएस की 2 सीटें, बीएएमएस की 3 सीटें, बीएचएमएस की 4 सीटें, बीएएमएस (मलयाली मूल) की 1 सीट, पैरा मेडिकल पाठ्यक्रमों (डीएमएलटी–2, डीओए–1, डीआरआरटी–1, डीएमसी–1 तथा डी. फार्म–1) की 6 सीटें, बी.ए. एल.एल. बी. की 2 सीटें (लौटायी गई), बी.एससी. (अग्रिकल्चर) की 3 सीटें (लौटायी गई), बी.टेक (बयोटेक्नोलॉजी) की 1 सीट (लौटायी गई), बी.टेक (फिशरीज इंजीनियरिंग) की 1 सीट (लौटायी गई) तथा जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी की 1 सीट (लौटायी गई) आदि पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग और सरेंडर की गई सीटों के लिए काउंसलिंग 11 सितम्बर, 2026 को सुबह 10 बजे से टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई), श्री विजय पुरम के सभागार में आयोजित की जाएगी।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों की मेरिट सूची में जिन सभी इच्छुक उम्मीदवारों का नाम आया है, उन्हें उपरोक्त पाठ्यक्रमों की काउंसलिंग के लिए ऊपर निर्दिष्ट तिथि, समय और स्थान पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है। उनके साथ सभी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र/दस्तावेज़, 5 (पांच) पासपोर्ट आकार के फोटो, 2 स्थायीकरण प्रमाण पत्र (ज़मानत के लिए) और अपनी श्रेणी के समर्थन में अन्य दस्तावेज़ होने चाहिए। यदि संबंधित श्रेणियों में सीटें अप्रयुक्त रहती हैं, तो योग्यता के आधार पर श्रेणी–5 से सीटें आवंटित की जा सकती हैं।

सभी संबंधित उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि बी.ए.एल.एल.बी, बी.एससी (कृषि), जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी, बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी), बी.टेक (फिशरीज इंजीनियरिंग) की उपर्युक्त सरेंडर की गई सीटें संबंधित श्रेणियों से ही आवंटित की जाएंगी। यदि संबंधित श्रेणियों में सीटें फिर भी खाली रह जाती हैं, तो उन्हें श्रेणी–5 से योग्यता के अनुसार आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, यदि कोई सरेंडर की गई सीट फिर भी रिक्त रह जाती है, तो उसे काउंसलिंग में उपस्थित नए पात्र उम्मीदवार को उनकी योग्यता के अनुसार आवंटित किया जाएगा। इसलिए, उपर्युक्त सरेंडर की गई सीटों के आवंटन के इच्छुक नए पात्र उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे काउंसलिंग की उपरोक्त तिथि पर अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित हों।

किसी भी उम्मीदवार द्वारा, चाहे उसकी योग्यता कितनी भी अच्छी क्यों न हो, काउंसलिंग व चयन के समय व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न होने या मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने पर बाद में कोई भी दावा स्वीकार या विचार नहीं किया जाएगा।

विश्व नारियल दिवस 2026 मनाया गया

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

प्लांटेशन क्रॉप्स पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) ने आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम के साथ मिलकर 'अनिश्चितता के समय में नारियल: खाद्य, ऊर्जा और आजीविका की सुरक्षा' विषय के साथ सीपीघाट स्थित अपने बागवानी अनुसंधान फार्म में विश्व नारियल दिवस मनाया।

विश्व नारियल दिवस प्रत्येक वर्ष 2 सितंबर को पोषण, अर्थव्यवस्था और संस्कृति में नारियल के महत्व को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। एशियाई एवं प्रशांत नारियल समुदाय, जकार्ता, इंडोनेशिया, जो नारियल उत्पादक देशों का एक अंतर–सरकारी संगठन है, ने वर्ष 2009 में इस दिवस की स्थापना की थी और तब से सदस्य देशों में इसे मनाया जा रहा है। इस दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर व मध्य अण्डमान के 48 किसानों, कृषक महिलाओं एवं कृषि सखियों के एक समूह के लिए एटीएमए एवं केवीके, दक्षिण अण्डमान के प्रतिनिधियों के साथ एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।

दौरे के दौरान एआईसीआरपी ऑन प्लांटेशन क्रॉप्स के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक डॉ. अजित अरुण वामन ने विश्व नारियल जर्मप्लाज्म केंद्र में संरक्षित नारियल की विविधता का प्रदर्शन किया तथा किसानों को व्यावसायिक स्तर पर खेती के लिए आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा विकसित विभिन्न उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नारियल बागानों में फसल विविधीकरण के लिए उपयुक्त अंतरवर्तीय फसलों के विभिन्न विकल्पों के बारे में बताया। डॉ. अजित ने द्वीपों में कृषि के लिए उपलब्ध सीमित जनशक्ति को देखते हुए विशेष रूप से नारियल की कटाई एवं कटाई उपरांत प्रबंधन के क्षेत्रों में मशीनीकरण की आवश्यकता के बारे में भी बताया। हितधारकों के लाभ के लिए नारियल चढ़ाई उपकरण एवं नारियल की छिलका उतारने वाली मशीन के उपयोग पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, द्वीप सिनरब के उपयोग से दालचीनी की कटाई का प्रदर्शन भी किया गया। कुछ प्रतिभागियों ने चढ़ाई उपकरण के उपयोग तथा दालचीनी की कटाई में स्वयं भी हाथ आजमाया, जो उनके लिए बिल्कुल नए सीखने के अनुभव रहे।

सत्रों के दौरान प्रतिभागियों ने बागवानी के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त करने के लिए संवाद किया और प्रदर्शित की गई कुछ गतिविधियों को अपने खेतों में अपनाने पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. जय सुंदर, निदेशक (ए), आईसीएआर–सीआईएआरआई के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने उत्तर व मध्य अण्डमान द्वीपसमूह के किसानों के लिए इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट के आयोजन को प्रासंगिक बताया, क्योंकि यह क्षेत्र बागवानी फसलों का एक प्रमुख उत्पादन क्षेत्र है।

जेएनआरएम ने नशे की लत के प्रति ——पृष्ठ 1 का शेष

जेएनआरएम की एंटी–ड्रग समिति के अध्यक्ष डॉ. के. वी. रमना मूर्ति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

संसाधन व्यक्ति सिस्टर शर्मिष्ठा, प्रभारी, ब्रह्माकुमारीज, श्री विजय पुरम ने नशे की लत, सकारात्मक सोच और आत्म–जागरूकता पर जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया। उन्होंने नकारात्मक प्रभावों से उबरने और स्वस्थ जीवन जीने के लिए ध्यान, आंतरिक शांति तथा सकारात्मक आदतें विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को ध्यान और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में शिक्षित एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम के समापन पर जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने संसाधन व्यक्ति द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सत्र की सराहना की तथा विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक आदतों और आत्म–जागरूकता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भाषा प्रयोगशाला पर जागरूकता कार्यक्रम

डिगलीपुर, 3 सितंबर।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर के खंड परियोजना कार्यालय द्वारा समावेशी शिक्षा के तहत 'विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भाषा प्रयोगशाला' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आज सीआरसी राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीतानगर में आयोजित किया गया। डिगलीपुर के बीपीओ से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विषय विशेषज्ञों ने भाषा प्रयोगशाला के महत्व एवं उपयोगों पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए। उन्होंने भाषा, गणित, मनोरंजन, नेतृत्व एवं डिजिटल साक्षरता कौशल को बढ़ाने तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र विकास में भाषा प्रयोगशाला की भूमिका पर प्रकाश डाला।

ग्रामीण युवाओं के लिए डीडीयू–जीकेवाई ——पृष्ठ 1 का शेष

जनजुटाव टीमों द्वारा उम्मीदवारों को आवश्यक दस्तावेज़ों, पंजीकरण संबंधी औपचारिकताओं, चयन प्रक्रिया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकन से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

रोज़गारोन्मुखी कौशल प्राप्त करने और रोज़गार के अवसर तलाशने में रुचि रखने वाले ग्रामीण युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज़ों और पंजीकरण के संबंध में अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपने संबंधित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) या ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, मरीन हिल के डीडीयूजीकेवाई अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ग्रामीण विकास निदेशालय ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पात्र ग्रामीण युवाओं से आगे आकर इस अवसर का लाभ उठाने और निःशुल्क उद्योगोन्मुखी कौशल, आवासीय प्रशिक्षण तथा रोज़गार सहायता प्राप्त करने का आग्रह किया है, जिससे उनकी रोज़गार क्षमता और सतत आजीविका की संभावनाओं में वृद्धि हो सके।

जेएनआरएम में एनएसएस अभिमुखीकरण सह नामांकन कार्यक्रम हुआ

श्री विजय पुरम, 1 सितंबर।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम ने 1 सितंबर, 2026 को अपने व्याख्यान दीर्घा में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अभिमुखीकरण सह नामांकन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के उद्देश्यों, मूल्यों, गतिविधियों और ज़िम्मेदारियों से परिचित कराना था।

जेएनआरएम की प्रिंसिपल डॉ. पर्ल देवदास ने सभा को संबोधित करते हुए सामुदायिक सहभागिता के महत्व और छात्रों में सामाजिक ज़िम्मेदारी और सेवा भावना को बढ़ावा देने में एनएसएस की भूमिका पर ज़ोर दिया।

एनएसएस समन्वयक श्रीमती निधि शेखावत ने कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को एनएसएस योजनाओं और वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के बारे में जानकारी दी।

वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर और इकाई द्वितीय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री सुदेश कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों पर प्रस्तुति दी। स्वयंसेवकों मुबाशीरा, थुशर सरकार और जमुना नायक ने क्रमशः स्वच्छ भारत अभियान, नशा मुक्ति और आपदा प्रबंधन तथा महिला एवं बाल विकास पर प्रस्तुतियाँ दीं। एनएसएस स्वयंसेवक लिखिता ने अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को एनएसएस में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन यूनिट–3 के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री नितिन कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम का समन्वय किया था। कार्यक्रम का संचालन जमुना नायक और मुकेश पाइक ने किया और प्रथम वर्ष के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रागति समीक्षा में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस का ——पृष्ठ 1 का शेष

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान (एनएससीबीपीटीआई) में एक समर्पित साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के साथ अपनी तकनीकी एवं फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत किया है। यह सुविधा नए भर्ती कर्मियों तथा सेवारत पुलिस कर्मियों को डिजिटल फोरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के वैज्ञानिक तरीके से निपटान का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। आधुनिक फोरेंसिक उपकरणों से सुसज्जित यह प्रयोगशाला डिजिटल साक्ष्यों के संग्रह, संरक्षण, परीक्षण एवं विश्लेषण में जांच अधिकारियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाएगी, जिससे साइबर अपराध के मामलों की अधिक प्रभावी और पेशेवर जांच में योगदान मिलेगा। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के क्षेत्र में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के समय पर हस्तक्षेप और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप इस अवधि के दौरान पीड़ितों को 1,72,51,012 रूपए की राशि वापस दिलाने/बहाल करने में सफलता मिली। यह साइबर धोखाधड़ी से होने वाले वित्तीय नुकसान से नागरिकों की सुरक्षा तथा त्वरित प्रतिक्रिया एवं पीड़ित सहायता पर दिए जा रहे ज़ोर को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रगति आकलन में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को प्राप्त यह पहचान द्वीपों के लिए गर्व का विषय है तथा प्रौद्योगिकी आधारित पुलिसिंग, प्रभावी साइबर अपराध ा जांच एवं प्रतिक्रिया, क्षमता निर्माण और नागरिक सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के कर्मियों के सामूहिक प्रयासों एवं प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह उपलब्धि साइबर अपराध से निपटने में जन जागरूकता और समय पर रिपोर्ट करने के महत्व को भी रेखांकित करती है।

नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई है तथा किसी भी साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर या साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन हेल्पलाइन नंबर 03192–230668 एवं 9531856083 पर घटना की सूचना देने अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज़ करने की सलाह दी गई है।

करीब 200 लीटर अवैध लेहान नष्ट किया गया

मायाबंदर, 3 सितंबर।

विश्वसनीय सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना बिलिग्राउंड के अंतर्गत ओपी बदामनाला की टीम ने गोविंदापुर के घने जंगल क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान टीम ने एक लोहे का ड्रम बरामद किया, जिसमें लगभग 200 लीटर अवैध लेहान पाया गया, जिसके अवैध रूप से शराब निर्माण में उपयोग किए जाने का संदेह था। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बरामद लेहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। यह सफल अभियान उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस की अवैध शराब के निर्माण पर अंकुश लगाने तथा अवैध गतिविधियों को रोकने के प्रति निरंतर सतर्कता, सक्रिय गश्त और दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता से अपराध या अवैध गतिविधियों से संबंधित विश्वसनीय जानकारी निकटतम पुलिस थाने अथवा 100 एवं 112 के माध्यम से साझा करने का आग्रह किया गया है। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा उचित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

माननीय सांसद ने आयुष्मान भारत योजना ——पृष्ठ 1 का शेष

पहले उपलब्ध जहाज़ किराया संबंधी प्रावधान को संशोधित किया गया है। अब मरीज़ और एक परिचारक को इकोनॉमी क्लास से हवाई यात्रा करने की अनुमति होगी, जिसके लिए अधिकतम 40,000 रूपए तक की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

3. मजदूरी–हानि मुआवज़ा: पहले कुछ श्रेणियों तक सीमित 1,000 रूपए प्रतिदिन, अधिकतम 20 दिनों तक का मजदूरी–हानि मुआवज़ा अब योजना के अंतर्गत रेफर किए गए मरीज़ों की सभी श्रेणियों तक विस्तारित कर दिया गया है।

4. स्ट्रेचर शुल्क: बिना किसी निर्धारित सीमा के स्ट्रेचर शुल्क की व्यवस्था प्रशासन द्वारा अग्रिम रूप से की जाएगी और उसका भुगतान भी प्रशासन द्वारा किया जाएगा। परिणामस्वरूप, मरीज़ों को यह खर्च अपनी निजी राशि से वहन नहीं करना पड़ेगा।

5. हवाई अड्डे/बंदरगाह से परिवहन: हवाई अड्डे या बंदरगाह से एंबुलेंस/कैब शुल्क के रूप में 3,000 रूपए तक की राशि की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

6. एयर एंबुलेंस सुविधा: गंभीर रूप से बीमार मरीज़ों को एयर एंबुलेंस के माध्यम से बाहर भेजे जाने की आवश्यकता होने पर इसका खर्च प्रशासन द्वारा वहन किया जाएगा। संबंधित सरकारी एजेंसियों के साथ समझौते के माध्यम से व्यवस्था को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है।

7. एमआरआई सुविधा: जीबी पंत अस्पताल में एमआरआई सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है और इसके लिए आवश्यक कदम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

8. दवाइयों की उपलब्धता: मरीज़ों को उचित एवं निरंतर आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से दवाइयों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 30 करोड़ रूपए निर्धारित करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इससे उन मरीज़ों को होने वाली परेशानी से बचा जा सकेगा, जिन्हें अन्यथा निजी मेडिकल दुकानों से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय सांसद ने एक बार फिर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने तथा द्वीपों के मरीज़ों को अधिक वित्तीय सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की दिशा में ये महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए भारत सरकार एवं अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इन उपायों से मरीज़ों एवं उनके परिचारकों को विशेष रूप से उन मरीज़ों को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी, जिन्हें द्वीपों से बाहर रेफरल उपचार की आवश्यकता होती है। साथ ही, ये कदम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के हितों एवं कल्याण की रक्षा करने में काफी सहायक सिद्ध होंगे।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर।

आम जनता/उपभोक्ताओं एवं सरकारी विभागों को सूचित किया गया है कि दक्षिण अण्डमान प्रभाग के अंतर्गत छोलदारी से संबद्ध ओग्राब्राज साइट कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में कट प्वाइंट स्ट्रक्चर कार्य तथा सीपीघाट साइट कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में एचटी पोल कार्य, एचटी एवं एलटी लाइन कार्य किए जाने के कारण 5 सितंबर, 2026 को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एसबीएफजी फीडर के तहत टुसनाबाद, ओग्राब्राज तथा बंगाली बस्ती से तिरूर क्षेत्र तक और सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक टाइगर फीडर के तहत सीपीघाट, काला पत्थर, कॉफी बगीचा, धानीखाड़ी, छोलदारी, पोर्ट मोट, ओग्राब्राज, नमूनाघर आदि क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उपरोक्त कार्य मौसम की स्थिति अनुकूल रहने पर किए जाएंगे। यदि कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा हो जाता है, तो संबंधित फीडर को तदनुसार चालू कर दिया जाएगा।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे भारतीय एथलीट, बेंगलुरु में 'स्मार्ट ट्रैक' से मिल रहा रियल टाइम डेटा

बेंगलुरु, 03 सितंबर (हि.स.)। एशियाई खेल–2026 की तैयारियों के तहत भारतीय मध्य और लंबी दूरी के एथलीटों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में चल रहा है। आठ सितंबर तक चलने वाले इस शिविर में एथलीटों को अत्याधुनिक 'स्मार्ट ट्रैक' की सुविधा भी मिल रही है, जो प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शन का रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराता है।

लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत स्वीकृत इस शिविर में 800 मीटर धावक कृष्ण कुमार, स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले, हाई जंप खिलाड़ी आदर्श राम और सुप्रिया बी, डेकाथलॉन खिलाड़ी थौफीक एन, मध्य एवं लंबी दूरी की धावक पारुल चौधरी तथा रेस वॉकर मंजू रानी और प्रियंका हिस्सा ले रही हैं। ये सभी एशियाई खेलों के लिए स्वीकृत भारत की 73 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम का हिस्सा हैं। एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची–नागोया में आयोजित की जाएंगी।

बेंगलुरु साई केंद्र में मौजूद स्मार्ट ट्रैक पर प्रशिक्षण के दौरान एथलीटों की गति, स्प्लिट टाइम, कुल समय, स्ट्राइड की लंबाई और स्ट्राइड की आवृत्ति जैसी जानकारियां तुरंत उपलब्ध हो जाती हैं।

साई एनसीओई बेंगलुरु के एथलेटिक्स कोच सुरेश कुमार ने कहा कि यह भारत में अपनी तरह की विशेष सुविधा है। उनके मुताबिक, एथलीट के दौड़ने के साथ ही ट्रैक पर लगे टाइमिंग गेट रियल टाइम स्पीड और स्प्लिट टाइम दर्ज करते हैं। इससे कोच और खिलाड़ी प्रदर्शन का अधिक सटीक विश्लेषण कर सकते हैं।

स्मार्ट ट्रैक का इस्तेमाल राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पैरा–एथलेटिक्स पदक विजेताओं दिलीप महादू गवित और मोहम्मद बासिल ने भी ग्लासगो खेलों से पहले प्रशिक्षण के दौरान किया था। दोनों ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते थे।

बेंगलुरु में यह स्मार्ट ट्रैक वर्ष 2024 में स्थापित किया गया था और तब से यहां प्रशिक्षण लेने वाले शीर्ष एथलीट इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। ट्रैक के सीधे हिस्से और मोड़ पर टाइमिंग गेट लगाए गए हैं, जिससे दौड़ के अलग–अलग चरणों का विश्लेषण किया जा सकता है। एक मोबाइल एप के माध्यम से भी आंकड़ों को तुरंत देखा और बाद में उनका विश्लेषण किया जा सकता है।

इस तकनीक की खासियत यह है कि इसके लिए नया ट्रैक बनाने की जरूरत नहीं होती। मौजूदा सिंथेटिक ट्रैक के नीचे चुंबकीय गेट लगाए जा सकते हैं और पूरी प्रणाली को एक दिन के भीतर स्थापित किया जा सकता है। स्मार्ट ट्रैक की टाइमिंग प्रणाली मौसम की स्थिति से भी प्रभावित नहीं होती। बारिश या धूल जैसी परिस्थितियों में भी ट्रैक में लगे टाइमिंग गेट काम करते रहते हैं, जिससे प्रशिक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग का लाभ लगातार मिलता रहता है।

जूनियर एशिया कपः खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

मोकी (चीन), 03 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने–अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चीन के मोकी में 4 से 13 सितंबर तक होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी, जबकि पुरुष टीम रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी अपने नाम करने का लक्ष्य रखेगी।

भारतीय जूनियर महिला टीम ने पिछली दो प्रतियोगिताओं में खिताब जीता है और इस बार टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेम चानू करेंगी। टीम ने नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में लंबे समय तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण किया है।

टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका की अंडर–21, इंग्लैंड की अंडर–21 और बेल्जियम की अंडर–21 टीमों के खिलाफ सात मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अलग–अलग खेल शैलियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का मौका मिला।

भारत एलीट पूल में है और 5 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

भारतीय जूनियर पुरुष टीम भी गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। भारत अब तक पांच बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जिसमें पिछले तीन संस्करणों की ट्रॉफियां भी शामिल हैं। इस बार डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज के कार्यकाल की शुरुआत खिताबी जीत के साथ करने का लक्ष्य होगा।

टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम ने बेल्जियम में अंतरराष्ट्रीय अंडर–21 टीमों के खिलाफ अभ्यास और अनुभव हासिल किया। टीम ने ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड्स की मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

इसके अलावा बेंगलुरु में मलेशिया की अंडर–21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैच और डालियान में मेजबान चीन के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलकर टीम ने अपनी तैयारियों को और मजबूत किया। चीन के खिलाफ आखिरी अभ्यास मुकाबले में भारत ने 8–2 से शानदार जीत दर्ज की थी।

भारत पूल ए में 5 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को जापान, 8 सितंबर को दक्षिण कोरिया और 9 सितंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले होंगे।

दोनों भारतीय टीमें गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतर रही हैं। व्यापक तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ भारतीय खिलाड़ियों के पास एशिया के शीर्ष स्तर पर खुद को साबित करने और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। लाइव प्रसारणः जूनियर एशिया कप 2026 के मुकाबले एशियन हॉकी फेडरेशन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखे जा सकेंगे।

व्हाट्सऐप पर आया है आरबीआई का मैसेज? भूलकर भी न करें ओपन, एक झटके में उड़ जाएगी सारी कमाई

नई दिल्ली, 03 सितम्बर। अगर आपके पास व्हाट्सऐप पर आरबीआई की तरफ कोई मैसेज आया हो तो उसे ओपन न करें. यह आरबीआई के नाम पर स्कैम की कोशिश हो सकती है. दरअसल, व्हाट्सऐप पर स्कैम के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. स्कैमर अब आरबीआई जैसी भरोसेमंद संस्थाओं के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं. इसे देखते हुए सरकार की तरफ से भी ऐसे मैसेज को लेकर लोगों को अलर्ट किया जा रहा है.

WhatsApp पर स्कैमर APK फाइल के साथ एक मैसेज भेज रहे हैं. सेंडर ने अपनी प्रोफाइल फोटो में RBI का लोगो लगाया हुआ है. मैसेज में लोगों को डराने के लिए लिखा हुआ है कि आपका बैंक अकाउंट संदिग्ध लेनदेन से जुड़ा हुआ पाया गया है. इसमें आगे अकाउंट ब्लॉक होने से रोकने के लिए फाइनेंशियल डिटेल्स देने और तीन दिनों के भीतर ऐसा न करने पर अकाउंट ब्लॉक होने की बात कही गई है. अब सरकार ने इस मैसेज को फर्जी बताते हुए लोगों को अलर्ट किया है.

पीआईबी फैक्ट चेक की तरफ से इस मैसेज की सच्चाई बताई गई है. पीआईबी ने लिखा कि यह मैसेज फर्जी है. फ्रॉडस्टर इस तरह के मैसेज भेजकर आपकी बैंकिंग और पर्सनल इंफोर्मेशन चुराना चाहते हैं. बचाव के तरीके बताते हुए पोस्ट में लिखा गया है कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर अनजान APK फाइल डाउनलोड न करें. RBI व्हाट्सऐप पर ब्लू टिक वाले केवल दो नंबरों– 99309 91935, 99990 41935 के जरिए ही कम्युनिकेट करता है. पोस्ट में ऑथेंटिक जानकारी के लिए आरबीआई की वेबसाइट पर जाने की सलाह दी गई है.

व्हाट्सऐप पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे स्कैम मैसेजेज की बाढ़ आई हुई है. स्कैमर कभी आरबीआई तो कभी किसी दूसरे सरकारी विभाग के नाम पर ऐसे मैसेज भेजकर स्कैम करने की कोशिश करते हैं. ऐसे स्कैम से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है–

किसी भी अनजान नंबर से आए लिंक से APK फाइल डाउनलोड न करें.

अगर व्हाट्सऐप मैसेज, ईमेल या SMS में आया लिंक संदिग्ध लग रहा है तो इस पर टैप न करें.

किसी भी अनजान व्यक्ति को किसी भी तरीके से अपनी पर्सनल, बैंकिंग और फाइनेंशियल डिटेल्स न दें.

फोन के सॉफ्टवेयर और बैंकिंग समेत दूसरी ऐप्स को हमेशा अपडेटेड रखें.

शपथ पत्र

मैं, आर्मी नंबर 5352636K, रैंकः हवलदार, नामः खिम बहादुर छन्तेल, जो अभी मिलिट्री स्टेशन, ब्रिचगंज गाँव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिले में रह रहा हूँ, इसके द्वारा गंभीरता से पुष्टि और घोषणा करता हूँ कि :–

1. कि अभी मैं ऊपर बताए गए पते पर रह रहा हूँ।
2. कि मैं 2/4 गोरखा राइफल्स में आर्मी नंबर 5352636K, रैंक–हवलदार के तौर पर काम कर रहा हूँ।
3. कि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम गलती से 'तिल कुमारी घर्ती छन्तेल' दर्ज हो गया है, जबकि उनका असली नाम 'तिल कुमारी छन्तेल' है, जो उनके नागरिकता प्रमाण–पत्र में दर्ज है।
4 कि मेरी पत्नी का असली और सही नाम 'तिल कुमारी छन्तेल' है।
5. कि मैं यह शपथ पत्र अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी पत्नी का सही नाम 'तिल कुमारी छन्तेल' दर्ज करवाने के मकसद से दे रहा हूँ।

ऊपर दिए गए बयान मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सच और सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम
तारीख : 03.09.2026
शपथकर्ता

इतिहास के पन्नों में 04 सितम्बर : पहली बार सामने आई टाइटैनिक के मलबे की तस्वीर

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (हि.स.)। दुनिया के सबसे चर्चित जहाजों में शामिल टाइटैनिक के डूबने के करीब 73 साल बाद 04 सितंबर 1985 को उसके मलबे की पहली तस्वीरें दुनिया के सामने आईं। टाइटैनिक इतिहास की सबसे चर्चित समुद्री त्रासदियों में से एक का प्रतीक है। 10 अप्रैल 1912 को ब्रिटेन के साउथहैंपटन बंदरगाह से टाइटैनिक अपनी पहली यात्रा पर न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुआ था। उस समय यह भाप से चलने वाला दुनिया का सबसे बड़ा यात्री जहाज था। करीब 2,200 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर निकले इस जहाज को बेहद सुरक्षित माना जाता था।

14 अप्रैल की रात उत्तर अटलांटिक महासागर में टाइटैनिक एक हिमशिला से टकरा गया। टक्कर के बाद जहाज में तेजी से पानी भरने लगा और कुछ घंटों में वह समुद्र में डूब गया। इस हादसे में 1,500 से अधिक लोगों की मौत हुई। दशकों तक टाइटैनिक के मलबे का पता नहीं चल सका। आखिरकार अमेरिकी समुद्री वैज्ञानिक रॉबर्ट बलार्ड के नेतृत्व में अभियान चलाया गया और सितंबर 1985 में समुद्र की करीब 13,000 फीट गहराई में टाइटैनिक का मलबा खोज लिया गया। जहाज दो बड़े हिस्सों में टूटा हुआ मिला।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1665– मुगलों और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच राजा जयसिंह संधि पर हस्ताक्षर हुए।
1781– स्पेन के निवासियों द्वारा लॉस एंजिल्स की स्थापना की गयी।
1888– गांधीजी ने इंग्लैंड के लिए समुद्री यात्रा शुरू की।
1944– द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिकों ने बेल्जियम के एंटवर्प शहर में प्रवेश किया।
1946– भारत में अंतरिम सरकार का गठन किया गया।
1967– 6.5 तीव्रता वाले भूकंप की चपेट में आया महाराष्ट्र का कोयना बांध, 200 से ज्यादा लोगों की मौत।
1988 – जॉर्ज ईस्टमैन को मिला था रोल फिल्म कैमरे का पेटेंट।
1998– डरबन में 12वें गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
1998– गूगल की औपचारिक शुरुआत। लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पी.एच.डी करने के दौरान इसे विकसित किया था।
2006 – ऑस्ट्रेलिया के मशहूर टीवी पर्सनैलिटी और पर्यावरणविद स्टीव इरविन का एक समुद्री मछली 'स्टिंगरे' के काटने से निधन।
2008 – केन्द्रीय कैबिनेट ने सात राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के सम्बन्ध में परिसीमन आयोग की सिफारिशों में सुधार के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
2012 – पैरालम्पिक खेलों में गिरीश होसंगारा नागराजेगौड़ा ने भारत को पहला पदक दिलाया।
जन्म–1825–दादा भाई नौरोजी– भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे।
1880– भूपेंद्रनाथ दत्त– भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी, लेखक तथा समाजशास्त्री थे।
1895–सियारामशरण गुप्त–हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार थे।
1904 – प्रेमेन्द्र मित्र – बंगाली कवि, लेखक तथा फ़िल्म निर्देशक थे।
1909–ब्रज कुमार नेहरू–प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के चचेरे भाई बृजलाल और रामेश्वरी नेहरू के पुत्र थे।

एम्स के अध्ययन में चौंकाने वाले आंकड़े: 38.6% वयस्क और 35.4% बच्चे फैटी लिवर से प्रभावित

नई दिल्ली, 03 सितम्बर। बदलती जीवनशैली, खराब खानपान और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बढ़ते सेवन ने देश में लिवर और पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों को गंभीर चुनौती बना दिया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के एक अध्ययन में देश के 38.6 प्रतिशत वयस्क और 35.4 प्रतिशत बच्चे फैटी लिवर से प्रभावित पाए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अस्वस्थ खानपान इस समस्या के प्रमुख कारण हैं।

एम्स के विशेषज्ञों का कहना है कि फास्ट फूड, अत्यधिक चीनी, डिब्बाबंद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बढ़ते सेवन के साथ शारीरिक गतिविधियों में कमी ने पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों का बोझ बढ़ा दिया है। खराब जीवनशैली का असर केवल लिवर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आंतों के स्वास्थ्य और कैंसर के जोखिम को भी प्रभावित कर रहा है।

अध्ययन में मधुमेह से पीड़ित करीब एक चौथाई लोगों के लिवर में फाइब्रोसिस भी पाया गया। फाइब्रोसिस ऐसी स्थिति है, जिसमें लिवर के ऊतकों में लगातार क्षति के कारण निशान बनने लगते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार समय पर पहचान और जीवनशैली में सुधार न होने पर यह स्थिति गंभीर लिवर रोग का रूप ले सकती है।

एम्स के गैस्ट्रोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. गोविंद मखारिया के अनुसार, पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं अब काफी आम हो गई हैं। पेट फूलना, डकार आना, अपच और डायरिया जैसी शिकायतों के पीछे खानपान और जीवनशैली की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विशेषज्ञों के मुताबिक देश में हर तीसरे व्यक्ति को किसी न किसी प्रकार की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

डिब्बाबंद और अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन का बढ़ता चलन भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय है। ऐसे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन न केवल मोटापा और फैटी लिवर जैसी समस्याओं से जुड़ा है, बल्कि बड़ी आंत के कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार बड़ी आंत में बनने वाले पॉलिप कुछ

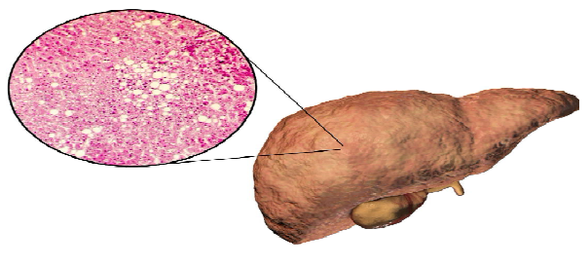

मामलों में आगे चलकर कैंसर का रूप ले सकते हैं। हालांकि समय रहते उनकी पहचान कर उन्हें हटाने से कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि शौच में खून आना, लगातार पेट संबंधी परेशानी, बिना कारण वजन कम होना या लंबे समय तक मल त्याग की आदतों में बदलाव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विशेषज्ञों ने उल्टी में खून आना, शौच में खून आना और खाना निगलने में परेशानी जैसे लक्षणों को गंभीर बीमारी का संकेत बताया है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

डॉक्टरों के अनुसार पाचन तंत्र और लिवर को स्वस्थ रखने के लिए खानपान और जीवनशैली में सुधार बेहद जरूरी है। इसके लिए–

स्वच्छ और संतुलित भोजन का सेवन करें।
साफ और सुरक्षित पानी पिएं।
भोजन जरूरत के अनुसार करें और अधिक खाने से बचें।
फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करें।
नियमित रूप से दही जैसे प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थों का सेवन करें। चीनी, फास्ट फूड और प्रसंस्कृत भोजन का सेवन कम करें। शराब और धूम्रपान से दूरी बनाएं।
रोजाना नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यायाम करें।
भोजन को धीरे–धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं।

विशेषज्ञों का कहना है कि फैटी लिवर और पाचन तंत्र से जुड़ी कई समस्याओं को शुरुआती चरण में जीवनशैली में सुधार के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसे में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय पर जांच को स्वस्थ लिवर और बेहतर पाचन के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी; जेडएसआई ने अरब सागर की गहराइयों से स्केट मछली की नई प्रजाति की खोज की

कोलकाता, 03 सितम्बर। भारत के समुद्री जैव–विविधता अध्ययन में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआइ) के वैज्ञानिकों ने आइसीएआर–केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के सहयोग से अरब सागर में गहरे समुद्र में पाई जाने वाली स्केट मछली की एक नई प्रजाति की खोज और पहचान की है। केरल तट के पास इसकी खोज हुई।

जेएडएसआइ द्वारा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, नई प्रजाति का वैज्ञानिक नाम डिप्टुरस धृतिया रखा गया है, जिसे सामान्य रूप से अरबियन स्केट कहा जा रहा है। बयान के अनुसार, यह खोज पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के महत्वाकांक्षी गहरे महासागर मिशन के तहत चल रहे 'भारत के गहरे समुद्री कान्ड्रिक्थियंस : वर्गीकरण, वितरण, जीव विज्ञान और वर्तमान स्थिति' परियोजना के अंतर्गत किए गए समुद्री सर्वेक्षण के दौरान हुई।

वैज्ञानिकों के अनुसार, डिप्टुरस धृतिया की अधिकतम ज्ञात लंबाई 131.5 सेंटीमीटर तक है। इसकी सबसे प्रमुख पहचान इसकी पूंछ पर कांटों की पांच स्पष्ट कतारें हैं। इसके नमूने केरल तट और वेज बैंक क्षेत्र के पास 400 से 600 मीटर की गहराई में पाए गए। नई प्रजाति की आनुवंशिक पहचान के लिए इसके संपूर्ण माइटोकान्ड्रियल जीनोम का अनुक्रमण किया गया।

जांच में सामने आया कि यह अपने निकटतम संबंधी ट्रावनकोर स्केट यानी डिप्टुरस जोहानिसडेविसी से आनुवंशिक रूप से अलग है। दोनों के बीच आनुवंशिक अनुक्रम में 3. 8 से 4.7 प्रतिशत तक अंतर पाया गया। जेडएसआइ वैज्ञानिकों के मुताबिक, नई प्रजाति की पहचान से पहले इसे चार दशक से अधिक समय तक डिप्टुरस स्प्रिंगेरी समझा जाता रहा। इस दौरान गहरे समुद्र में झींगा पकड़ने वाले व्यावसायिक ट्रालरों के जाल में यह अनजाने में भी

पकड़ी जाती रही।

नई प्रजाति का नाम जेडएसआइ की पहली महिला निदेशक डा. धृति बनर्जी के सम्मान में डिप्टुरस धृतिया रखा गया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन कार्यरत जेडएसआइ का मुख्यालय कोलकाता में ही है। डा. धृति बनर्जी ने कहा कि गहरे समुद्र का बड़ा हिस्सा अब भी वैज्ञानिक खोज से अछूता है और प्रत्येक समुद्री सर्वेक्षण समुद्री जैव–विविधता की समझ को विस्तार देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि गहरे समुद्र में रहने वाली शार्क और रे मछलियां अत्यधिक दोहन के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होती हैं। इनका प्रजनन अपेक्षाकृत कम होता है, आबादी को दोबारा सामान्य होने में लंबा समय लगता है और व्यावसायिक मत्स्य गतिविधियों के दौरान अनजाने में पकड़े जाने का खतरा भी अधिक रहता है। इसलिए आबादी में गिरावट आने से पहले इन प्रजातियों की पहचान करना प्रभावी और लक्षित संरक्षण रणनीति तैयार करने के लिए जरूरी है। शोध दल में प्राणी सर्वेक्षण विभाग के डा. केके बिनीश और अनिल कासीनाथ, आइसीएआर–केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान के अखिलेश केवी तथा अमेरिका के डा. डेविड ए. एबर्ट शामिल रहे।

श्री राधा गोविंद मंदिर में जन्माष्टमी समारोह

श्री विजय पुरम, 3 सितंबर। श्री राधा गोविंद मंदिर देवस्थानम, आरजीटी रोड, श्री विजय पुरम द्वारा "जन्माष्टमी" का त्योहार श्री राधा गोविंद मंदिर, आरजीटी रोड, श्री विजय पुरम में 4 और 5 सितम्बर, 2026 को हर वर्ष की भांति मनाया जाएगा। मंदिर में श्रद्धालुओं के पूजा–अर्चना हेतु 4 सितम्बर को सुबह 6 बजे से 5 सितम्बर के सुबह 1 बजे तक तथा 5 सितम्बर को सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक मंदिर खुला रहेगा।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि "जन्माष्टमी" के अवसर पर 4 सितम्बर को शाम 6 बजे मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है, जिसमें आरजीटी पब्लिक विद्यालय के स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य– केन्द्रीय कृषि मंत्री

मुंबई, 03 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मुंबई में कहा कि भारत सरकार का देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इनमें से साढ़े तीन करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुंबई में 'लखपति दीदियों' के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और बैंकरों के साथ अपनी बैठक से पहले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के साथ बातचीत भी की। इसके बाद उन्होंने कहा, आज मैंने मुंबई में लखपति दीदियों के साथ वृक्षारोपण किया। हमारे प्रधानमंत्री ने छह करोड़ लखपति दीदियां बनाने का संकल्प लिया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि लगभग 3.5 करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं और हम अब छह करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया कि अनेक औपचारिकताओं और ऋण वितरण में देरी के कारण महिलाओं को अक्सर बैंक ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, बैंक अधिकारियों से मिलने से पहले, आज मुंबई में एक बैठक निर्धारित है। हमने पहले स्वयं महिलाओं से परामर्श करने का निर्णय लिया है। वे महिलाएं जो स्वयं सहायता समूहों में काम कर रही हैं और लखपति दीदी बनने के लिए विभिन्न व्यवसाय शुरू कर रही हैं। हम उनकी कठिनाइयों और चुनौतियों को समझना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, बैंक ऋणों की बदौलत वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और श्लखपतिश का दर्जा हासिल करने में सक्षम तो हो गई हैं, लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इनमें ऋण के लिए आवश्यक जटिल कागजी कार्रवाई और औपचारिकताएं, बार–बार बैंक जाना, गारंटी या गिरवी की मांग और ऐसे मामले शामिल हैं जहां 5 लाख रुपये की जरूरत होने के बावजूद उन्हें केवल 1.5 लाख रुपये का ऋण मिलता है। हम इन मामलों को सुलझाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ बैठक करने जा रहे हैं... हमारा लक्ष्य है कि स्वयं सहायता समूहों को कुल 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण मिले और प्रत्येक महिला को पांच वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये का ऋण मिले ताकि उनके काम में सहायता मिल सके। महिलाओं के साथ हुई चर्चा के बाद आज बैंक अधिकारियों के साथ हो रही बैठक का उद्देश्य इसी लक्ष्य को पूरा करना है।

जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी–जे.सी.आर. ने भारत की विदेशी मुद्रा और स्थानीय मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग को बढ़ाकर ए–किया

नई दिल्ली, 03 सितम्बर

जापान की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसी–जेसीआर ने भारत की विदेशी मुद्रा और स्थानीय मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग को एक पायदान ऊपर बढ़ाकर ट्रिपल बी प्लस से ए– कर दिया है। यह रेटिंग किसी देश की सरकार की ऋण चुकाने की क्षमता और वित्तीय साख का स्वतंत्र मूल्यांकन करती है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, मजबूत विकास आधार बनाने में आर्थिक नीतियों की प्रभावशीलता और वित्तीय प्रणाली की बेहतर सु.ढ़ता दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि यह उन्नयन चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण में हुआ है और निरंतर विकास, प्रभावी आर्थिक नीतियों, बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन तथा मजबूत वित्तीय प्रणाली द्वारा समर्थित भारत के आर्थिक बुनियादी ढांचे को का परिचायक है।

जेसीआर ने एक बयान में, कहा कि मजबूत निजी उपभोग और सार्वजनिक निवेश से समर्थित भारतीय अर्थव्यवस्था ने उच्च विकास दर बनायी रखी है। उसने भारत सरकार के डिजिटल सार्वजनिक ढ़ांचे और माल और सेवा कर के कार्यान्वयन का भी उल्लेख किया है। जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा कि केंद्रीय राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2025 में 4.07 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2026 में 4.04 प्रतिशत पर आ गया है।

निवेश के बिना नवाचार अधूरा है, और नवाचार के बिना निवेश खुद को बनाए नहीं रख पाएगा–केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 03 सितम्बर।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज स्टार्टअप्स और निवेशकों के साथ एक संयुक्त गोलमेज बैठक की। साथ ही, उन्होंने बायो–निवेश का भी शुभारंभ किया। यह एक रणनीतिक प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य जैव–प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों और निवेश समुदाय के बीच जुड़ाव को मजबूत करना है, ताकि होनहार जैव–प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों को बड़े पैमाने पर ले जाने और व्यवसायीकरण के लिए निजी पूंजी के प्रवाह को तेज किया जा सके।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि निवेश के बिना नवाचार अधूरा है, और नवाचार के बिना निवेश बना नहीं रह सकता। इसलिए, भारत के जैव–प्रौद्योगिकी संचालित विकास के लिए नवोन्मेषकों, निवेशकों, उद्योग जगत और सरकार के बीच करीबी जुड़ाव बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि बायो–निवेश उस सेतु को बनाने में मदद करेगा, जिसकी ज़रूरत संभावनापूर्ण विचारों को अनुसंधान और उद्यमिता से आगे बढ़कर उद्योग, बड़े पैमाने और बाज़ार तक ले जाने के लिए होती है।

बायो–निवेश में भाग लेने वाले नवोन्मेषकों और निवेशकों के साथ बातचीत के दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह ने सुझाव दिया कि जैव–प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को "पांच साल में पांच बड़ी कंपनियां" बनाने के तरीके पर विचार करना चाहिए। अंतरिक्ष क्षेत्र के नवोन्मेषकों और उद्यमियों के साथ गोलमेज बैठक के दौरान हाल ही में हुई बातचीत में इसी तरह के एक विचार का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ बड़ी एंकर कंपनियां बनाने के लिए खास तौर पर संसाधन लगाने से ऐसा इकोसिस्टम बन सकता है, जिसकी छत्रछाया में दूसरे स्टार्टअप्स भी बढ़ सकते हैं और अपना विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक क्षेत्र से निकले विचार को दूसरे क्षेत्र में लागू करने की संभावना पर भी विचार किया जा सकता है, जहां भी यह मुमकिन हो।

मंत्री ने कहा कि उद्देश्य ऐसा इकोसिस्टम बनाना होना चाहिए जिसमें विज्ञान और पूंजी, नवाचार और उद्योग तथा अनुसंधान और बाजार का संयोजन हो। उन्होंने कहा कि सरकार माहौल बना सकती है और शुरुआती जोखिम उठा सकती है, लेकिन वृद्धि बनाए रखने, कंपनियां खड़ी करने और तकनीक को बड़े पैमाने पर ले जाने में निजी पूंजी की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि बायो–निवेश जैसी पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत तकनीक संचालित विकास के अगले चरण से पैदा होने वाले मौकों का फायदा उठाने के लिए तैयार रहे।

उनाकोटी की रहस्यमयी मूर्तियां और झील के बीच बना महल, त्रिपुरा की खूबसूरती देखकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 03 सितम्बर।

भारत के पूर्वोत्तर में शामिल त्रिपुरा अपनी संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। बांग्लादेश की सीमाओं से तीनों तरफ से घिरा त्रिपुरा का शांत वातावरण, इतिहास और हरी–भरी पहाड़ियां ऐसा अनोखा अनुभव करवाती हैं, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। आइए जानें इस राज्य की संस्कृति, खूबसूरत जगहें और खान–पान से जुड़ी कुछ खास बातें।

त्रिपुरा का उज्जयंत पैलेस यहां के शाही इतिहास का प्रतीक है। इस महल का निर्माण 1901 में हुआ था, जो आज एक राज्य संग्राहलय है। यहां त्रिपुरा के इतिहास और विरासत की झलक देखने को मिलती है। रुद्रसागर झील के बीचो–बीच स्थित नीरमहल एक बेहद खूबसूरत वॉटर पैलेस है और भारत का सबसे बड़ा जल महल है। मुगल और हिंदू आर्किटेक्चर का यह मिश्रण शाम के समय और भी खूबसूरत दिखता है।

उनाकोटी त्रिपुरा का प्राचीन रॉक–कट तीर्थ स्थल है। यहां भगवान शिव की विशाल मूर्तियां हैं, जो घने जंगलों के बीच पत्थरों पर उकेरी हुई हैं। अपनी रहस्यमयी कारीगरी के लिए ये दुनियाभर में मशहूर हैं। त्रिपुरा में तृष्णा और गुमटी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी भी हैं। तृष्णा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी इंडियन बाइसन का प्राकृतिक आवास है। इनके अलावा, हुलॉक गिब्बन, गोल्डन लंगूर, कैप्ड लंगूर और हिरण जैसे कई जानवर और पक्षी यहां रहते हैं।

त्रिपुरा की कला और कारीगरी मुख्य रूप से बांस और बेत के काम पर आधारित है। यहां के स्थानीय कारीगर बांस के फर्नीचर, बास्केट, डेकोरेशन पीस और बर्तन बनाते हैं। इसके अलावा, त्रिपुरा में रेशा नाम का एक पारंपरिक बुना हुआ कपड़ा भी काफी मशहूर है। इसे महिलाएं ऊपरी

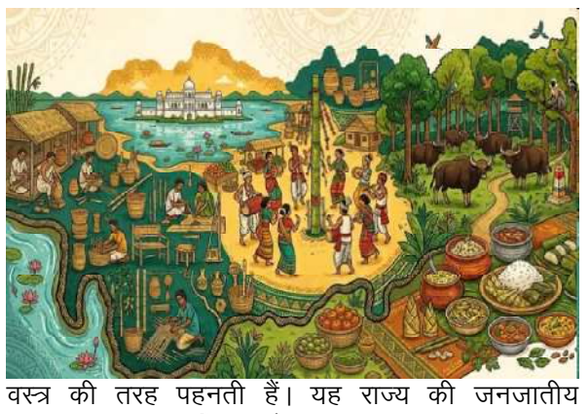

वस्त्र की तरह पहनती हैं। यह राज्य की जनजातीय पहचान का अहम हिस्सा है।

इस राज्य में 19 से ज्यादा जनजातीय समूह और बंगाली समुदाय मिलकर रहते हैं। यहां का खर्ची पूजा बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। जनजातीय नृत्यों में होजागिरि नृत्य सबसे मशहूर है, जिसमें सिर पर जलता हुआ दीपक रखकर नृत्य किया जाता है। इसके अलावा, गरिया नृत्य भी काफी मशहूर है।

त्रिपुरा का खान–पान काफी सादा होता है। यहां की पारंपरिक डिश मुई बोरोक काफी स्वादिष्ट होती है। इसे फर्मेंट की गई मछली के पेस्ट से बनाया जाता है। इसके अलावा, बांगुई राइस भी यहां के खान–पान का अहम हिस्सा है। इसमें चावल को केले या बांस के पत्तों पर लपेटकर पकाया जाता है।

बांस के कपोलो, कटहल के बीजों और स्थानीय मसालों से बना चखनी यहां की खास जनजातीय डिश है। इसके अलावा, यहां की क्वीन पाइनएप्पल अपने अनोखी स्वाद और मिठास के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

रक्षा मंत्री ने 10 वर्षों में वैश्विक साझेदारी के लिए 'रक्षा' कूटनीति दस्तावेज जारी किया

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (हि.स.)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में डिफेंस डिप्लोमेसी पर 'रक्षा' डॉक्यूमेंट जारी किया। इसमें अगले 10 सालों में ग्लोबल डिफेंस पार्टनरशिप के लिए भारत के स्ट्रेटेजिक रोडमैप और विजन को बताया गया है। यह डॉक्यूमेंट भारत के स्ट्रेटेजिक जुड़ाव में बदलाव को दिखाता है, जिससे लंबे समय की स्थिरता और आपसी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इस रोडमैप में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीतिक साझेदारी, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाने और मित्र देशों के साथ सर्वोत्तम प्रथाएं साझा करने, देश को भरोसेमंद वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के तौर पर स्थापित करने के लिए मेक–इन–इंडिया डिफेंस प्लेटफार्म को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

इसके अलावा समुद्री सुरक्षा के तहत हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता और प्रथम प्रत्युत्तर कर्ता के तौर पर भारत की भूमिका को मजबूत करने को कहा गया है, क्योंकि रक्षा कूटनीति भारत की विदेश नीति का एक मुख्य स्तंभ है। यह डॉक्यूमेंट अगले दशक के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन योग्य दृष्टि देता है, ताकि भारत बदलते ग्लोबल माहौल में शांति, स्थिरता और नियम–आधारित व्यवस्था का एक अहम हिस्सा बना रहे।

इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सेक्रेटरी (ईस्ट), विदेश मंत्रालय रुद्रेन्द्र टंडन, उप वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ से चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन एयर मार्शल तेजिंदर सिंह और रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पहाड़ी झीलों और हिमस्खलन से बाढ़ व आपदा से निपटने की तैयारियों पर समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (हि.स.)। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने गुरुवार को दिल्ली में हिमालयी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) और हिमस्खलन के जोखिमों से निपटने की तैयारियों के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में नेपाल में जीएलओएफ के चलते बाढ़ आई थी जिससे बड़े स्तर पर जनहानि हुई है। गृह सचिव ने स्पष्ट किया कि जीएलओएफ और हिमस्खलन से निपटने की रणनीतियां केवल प्रतिक्रिया–केंद्रित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोखिम–सूचित योजना, निवारक शमन उपायों और सामुदायिक स्तर की तैयारियों पर विशेष बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने राज्यों को वर्ष 2024 में स्वीकृत केंद्र सरकार की जीएलओएफ शमन परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में संवेदनशील ग्लेशियल झीलों और बर्फ से ढके क्षेत्रों की निरंतर निगरानी तथा उच्च जोखिम वाले स्थानों की पहचान, चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना और अंतिम छोर तक समयबद्ध सूचना का प्रसार, राज्य एजेंसियों, जिला प्रशासन और वैज्ञानिक–तकनीकी संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल बनाना और जल–प्रवाह मार्गों का निर्धारण, निकासी की योजनाएं और संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पूर्व तैनाती पर जोर दिया गया।

बैठक का समापन अंतर–एजेंसी समन्वय को निरंतर बनाए रखने और नियमित रूप से सूचनाओं के आदान–प्रदान के निर्देशों के साथ हुआ, जिससे हिमालयी क्षेत्रों में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

इस बैठक में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर के मुख्य सचिवों तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (एसडीएमए) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार की घोषणा, चार खिलाड़ियों को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (हि.स.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 के तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार के लिए चार विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी है। ये पुरस्कार साहसिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को उनके अदम्य साहस, धैर्य, जोखिम उठाने की क्षमता और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी निर्णय लेने के लिए दिए जाते हैं।

सरकार ने पुरस्कार के लिए बालजीत कौर और स्कालजांग रिगजिन को लैंड एडवेंचर श्रेणी में चुना है। वहीं, रिमो साहा को वाटर एडवेंचर और शिव प्रसाद चमोली को लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया जाएगा।

इन सभी पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह समारोह राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के साथ आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह की तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।

प्रत्येक विजेता को प्रतिमा, प्रमाणपत्र और 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। विजेताओं का चयन राष्ट्रीय चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। समिति ने प्राप्त नामांकनों की विस्तृत जांच और मूल्यांकन के बाद इन नामों की सिफारिश की थी।

मंत्रालय के अनुसार, ये पुरस्कार देश में साहसिक गतिविधियों में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के साथ युवाओं में साहस, दृढ़ता और उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत पहली बार हुंडई विश्व तीरंदाजी पैरा श्रृंखला की करेगा मेज़बानी

नई दिल्ली, 03 सितम्बर

भारत पहली बार अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर 5 से 9 सितंबर तक हुंडई विश्व तीरंदाजी पैरा श्रृंखला की मेज़बानी करेगा, जिसमें 20 देशों के 100 से ज़्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। यह स्पर्धा 2026 श्रृंखला का तीसरा चरण है। इससे पहले बैंकॉक और नोवे मेस्टो में 30 जून से 4 जुलाई तक प्रतियोगिताएं हुई थीं। चौथा और आखिरी चरण अक्टूबर में चिली के सैंटियागो में होना है। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा गुजरात सरकार, गुजरात खेल प्राधिकरण और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में रिकर्व ओपन, कंपाउंड ओपन, W1 और दृष्टिबाधित श्रेणियां शामिल होंगी। इस प्रतियोगिता में – भारत, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, इंडोनेशिया, ईरान, कज़ाकिस्तान, मैक्सिको, स्लोवाकिया, अमेरिका, उज़्बेकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, साइप्रस, चेकिया, इराक, रूस और श्रीलंका भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन 4 सितंबर को होगा।

नेपाल आपदा : 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ 2,000 मीटर नीचे गिरी, विस्फोट जैसा असर

काठमांडू, 03 सितंबर (हि.स.)। नेपाल के रसुवागढ़ी में विनाशकारी बाढ़ का कारण माने जा रहे हिमपर्वत के खिसकने (ग्लेशियर कोलैप्स) की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ और हिमखंड लगभग 2,000 मीटर नीचे आकर गिरे। विशेषज्ञों के अनुसार, इस घटना से आसपास के क्षेत्र में भारी ऊर्जा उत्पन्न हुई, जिसका प्रभाव बम विस्फोट जैसा था।

लांगटांग लेरुंग के उत्तर में हिमस्खलन और बाढ़ का अध्ययन कर रहे त्रिभुवन विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र केंद्रीय विभाग के प्रोफेसर डॉ. रंजन कुमार दाहाल के अनुसार, बर्फ का विशाल ढेर केवल नीचे नहीं गिरा, बल्कि आसपास व्यापक क्षति पहुंचाने वाला विस्फोट भी हुआ।

डॉ. दाहाल ने बताया कि सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण और बेहद कम अनुमान के आधार पर भी करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ नीचे गिरने की पुष्टि होती है। उनके अनुसार, लगभग 2,000 मीटर नीचे गिरने के दौरान इस बर्फीले ढेर से पैदा हुई ऊर्जा का असर बम विस्फोट जैसा रहा होगा। इस घटना से उत्पन्न कंपन को 5.2 रिक्टर स्केल के भूकंप के रूप में भी दर्ज किया गया था।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग भूगर्भविद् डॉ. दाहाल के साथ चीन के शंघाई स्थित टोंगजी विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और किंग्स कॉलेज लंदन, तथा इटली के पादुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने करीब एक वर्ष पहले से हिमालय और हिमाली क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया था।

अध्ययन के दौरान पता चला था कि रसुवागढ़ी के ऊपरी तिब्बती क्षेत्र में स्थित प्यूरेपु हिमताल के सुप्राग्लेशियल लेक यानी ग्लेशियर पर हाल में बने छोटे–छोटे जलकुंड और तालाब फट गए थे। इसके कारण पिछले वर्ष भी भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी।

इसके बाद भूगर्भविदों और वैज्ञानिकों की टीम ने हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों में हो रही हलचल और गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया। इसी अध्ययन के बीच पिछले बुधवार अचानक विनाशकारी बाढ़ आ गई, जिसके बाद टीम के कुछ सदस्य हिमस्खलन और बाढ़ के अध्ययन में जुट गए।

प्रोफेसर दाहाल के अनुसार, प्राप्त सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि हिमस्खलन की लंबाई करीब 1.3 किलोमीटर थी। इसने नीचे की ओर लगभग 500 से 800 मीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में लेते हुए साफ कर दिया।

हालांकि, वैज्ञानिक अभी बर्फ के ढेर की वास्तविक मोटाई स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं कर पाए हैं। उपलब्ध विवरणों के आधार पर उनका अनुमान है कि गिरा हुआ बर्फीला ढेर करीब 60 से 70 मीटर मोटा रहा होगा।

इस आधार पर बर्फ और हिमखंड के आयतन का अनुमान लगाने पर करीब 4 करोड़ घन मीटर सामग्री नीचे गिरने की संभावना सामने आती है। हालांकि, प्रोफेसर दाहाल बेहद कम अनुमान के आधार पर भी कम से कम 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ नीचे गिरने की बात कहते हैं। वहीं, कुछ अन्य विशेषज्ञों ने प्रारंभिक तौर पर 10 करोड़ घन मीटर तक बर्फ गिरने का अनुमान लगाया है। 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ का आयतन कितना विशाल है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे लंदन के वेम्बली स्टेडियम को करीब 22 बार भरा जा सकता है। यह मात्रा मिस्र के प्रसिद्ध पिरामिड से करीब 10 गुना अधिक बताई जा रही है।